2nd North East Multi-Media Campaign

North East United Against HIV/AIDS

6th FEB 2020 IMPHAL

NACO

National AIDS Control Organisation

India's Voice against AIDS

Ministry of Health & Family Welfare, Government of India

www.naco.gov.in

जनवरी–मार्च 2020
खंड X अंक 19

नाको समाचार

Beti Bachao Beti Padhao

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

Chalo Banaayein Swasth Bharat

AIDS Helpline 1097

अनुक्रमणिका

कार्यक्रम

दूसरे पूर्वोत्तर मल्टीमीडिया अभियान का ग्रैंडफिनाले आयोजित 06

नाको और वाणिज्य विभाग के बीच संयुक्त कार्यकारी समूह (जे.डब्ल्यू.जी) की बैठक 10

एच.आई.वी. वर्चुअल हस्तक्षेप पर राष्ट्रीय परामर्श 11

समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ प्री एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (PrEP) पर राष्ट्रीय परामर्श 12

होली फ़ैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों का नाको में प्रशिक्षण दौरा 12

टार्गेटेड इंटरवेंशन कम्पोनेन्ट के लिए सभी राज्यों की एड्स नियंत्रण समितियों की राष्ट्रीय समीक्षा 13

निजी प्रदाताओं के साथ प्री एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (PrEP) पर राष्ट्रीय परामर्श 14

सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों का नाको में प्रशिक्षण दौरा 14

नागालैंड में एड्स प्रत्युत्तर का संवर्धन करने की दिशा में रैपिड फील्ड मूल्यांकन 15

समारोह

चाय के बागीचों के कामगारों के बीच हस्तक्षेप–पश्चिम बंगाल एस.ए.सी.एस. 18

दूरदर्शन पर रेड रिबन क्लब के सदस्यों के साथ कार्यक्रम–ओडिशा एस.ए.सी.एस. 18

सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला 2020 में आई.ई.सी. स्टॉल –हरियाणा एस.ए.सी.एस. 19

अदिवासी मेला–2020 में आई.ई.सी. स्टॉल पर रिपोर्ट–ओडिशा एस.ए.सी.एस. 20

हरियाणा में आशा अभियान–हरियाणा एस.ए.सी.एस. 21

राष्ट्रीय युवा दिवस उत्सव–महाराष्ट्र एस.ए.सी.एस. 21

राष्ट्रीय युवा दिवस उत्सव–नागालैंड एस.ए.सी.एस. 23

आर.आर.सी. स्वयं सेवियों के लिए राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता–केरल एस.ए.सी.एस. 23

संरक्षक की कलम से

प्रिय पाठकगण,

मैं नाको समाचार के इस संस्करण में आप सभी का स्वागत करता हूँ।
चूंकि हम लोग 2020 तक 90–90–90 के त्वरित लक्ष्यों को हासिल के अंतिम वर्ष में हैं, इसलिए मैंने पिछले संस्करणों में भी बल दिया है कि हमें इन लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है और यही कारण है कि राज्यों द्वारा इन लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए वार्षिक कार्य योजनाएं तैयार की गई हैं। इस वर्ष में सभी मुद्दों पर काबू पाने के लिए, सभी परियोजना निदेशकों के साथ आयोजित एक समीक्षा बैठक में उन सभी अंतरालों और चुनौतियों पर चर्चा की गई जिनका पिछले वर्ष राज्यों को सामना करना पड़ा है।

मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि बिहार ने हाजीपुर कारागार परिसर में कारागार परिवेश में अपने सर्वप्रथम प्रतिष्ठान एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (एफ.आई.सी.टी.सी.) का शुभारंभ किया है। यह कदम उन कैदियों के बीच आत्मसम्मान और आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए क्रांतिकारी साबित होगा जो अक्सर स्वापक औषधियों निर्भरता, परिवार से अलगाव के कारण खराब मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से पीड़ित रहते हैं, जिसके फल स्वरूप अधिक अवसाद होता है और वे अधिक आक्रामक एवं जोखिमपूर्ण व्यवहार करते हैं। इस पहल के माध्यम से हमारी परिदृष्टि उस सुग्राही आबादी के बीच जागरूकता पैदा करना है जिस तक पहुंचना अभी तक कठिन था।

एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 राज्य स्तर पर तेज़ी से पैठ बना रहा है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब तक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 25 राज्य स्तरीय परामर्श आयोजित किए जा चुके हैं और 14 राज्यों ने राज्य नियम तैयार कर लिए हैं और उन्हें आगे की मंजूरी और विधीक्षा हेतु अन्य विभागों को प्रस्तुत किया है। मैं हिमाचल प्रदेश और झारखंड के राज्यों को इस दिशा में विशेष प्रयास करने और एच.आई.वी. के साथ रहने वाले लोगों के लिए एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के लाभ उपलब्ध कराने हेतु अपने राज्यों में लोकपाल पदनामित करने के लिए बधाई देना चाहता हूँ। इसके अलावा, मैं अन्य राज्यों से भी आग्रह करता हूँ कि वे जल्दी से जल्दी राज्य निर्दिष्ट नियमों को बनाएं और लोकपाल नियुक्त करें।

मुझे आशा है कि आपको इस संस्करण को पढ़ने में आनंद मिलेगा और आप इसे आगे साझा करेंगे ताकि आपके जानकारों को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना के वर्तमान हस्तक्षेपों के बारे में जानकारी ज्ञात हो। मुझे यह देखकर खुशी हुई है कि नाको समाचार के डिजिटल होने से हमें त्वरित प्रत्युत्तर मिले हैं ताकि उनका संवर्धन किया जा सके।

संजीव कुमार
विशेष सचिव (स्वास्थ्य)
और महानिदेशक
(नाको एवं एन.टी.ई.पी.)
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

संयुक्त सचिव की कलम से

मैं आप सभी को अत्यधिक सुखद और समृद्ध नव वर्ष 2020 की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ!

जैसा कि हम एच.आई.वी. और सिफिलिस का मां से बच्चे को संचारण (ई.एम.टी.सी.टी.) के उन्मूलन, कुष्ठि और भेदभाव के उन्मूलन, नए संक्रमणों का 75% न्यूनीकरण, और 2020 तक 90–90–90 हासिल करने के त्वरित लक्ष्यों को पूरा करने के अंतिम वर्ष में पहुँच गए हैं, मैं आप सभी से इसे हासिल करने की दिशा में अपने प्रयासों की जांच करने का अनुरोध करता हूँ। ये लक्ष्य 2030 तक एक जन स्वास्थ्य खतरे के रूप में एड्स को समाप्त करने के दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) को हासिल करने के लिए प्रारंभिक प्रयास हैं।

इन त्वरित लक्ष्यों के आलोक में, वर्चुअल प्लेटफॉर्मों पर एच.आई.वी. हस्तक्षेपों के संबंध में एक राष्ट्रीय परामर्श भी आयोजित किया गया है। इससे हमें 'वर्चुअल प्लेटफार्मों पर आबादियों और उच्च–जोखिम समूहों का मापचित्रण और उन तक पहुँचने', 'वर्चुअल आबादी को सेवाओं में शामिल करने की कार्यनीतियां', 'उपचार के लिए सहलग्नता' जैसे मुख्य विषयक क्षेत्रों और नैतिक/डाटा सुरक्षा दृष्टिकोणों की प्राथमिकता–निर्धारण करने में मदद मिली है।

संस्थानों के बीच सहयोग का सुदृढ़ीकरण करने का उद्देश्य से, राष्ट्रीय अरक्षितता–पूर्व रोगनिरोध नीति और राष्ट्रीय अरक्षितता–पूर्व रोगनिरोध तकनकी दिशानिर्देश के प्रारूप के संबंध में साधन–सामग्री/विचार मांगने के लिए निजी प्रदाताओं और सामुदायिक प्रतिनिधियों के साथ अरक्षितता–पूर्व रोगनिरोध (PrEP) पर परामर्श आयोजित किए गए हैं। इन बैठकों में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना के संबंध में फीडबैक पर भी फोकस किया गया।

मुझे आशा है कि इन सभी पहलों से राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना के निर्धारित लक्ष्यों और उद्देश्यों को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

गुड लक!

श्री आलोक सक्सेना,
संयुक्त सचिव,
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

संपादक की कलम से

आगे बढ़िये!!!

जैसा कि हम 90:90:90 के त्वरित लक्ष्यों के अधिक समीप पहुँच रहे हैं, हम सभी को यह महसूस करने और पूर्णतया समझ लेने की आवश्यकता है कि शिथिलता के लिए अब कोई जगह नहीं है और सभी साधनों के द्वारा हमें इन्हें हासिल करना ही है। हम इस समय–सीमा से चूक नहीं कर सकते हैं अन्यथा 2030 तक एड्स को समाप्त करने का लक्ष्य हासिल की पूरी प्रक्रिया पटरी से उतर जाएगी।

अब रोकथाम, जांच और उपचार की कार्यनीतियों पर पुनर्विचार करने का समय है।

रोकथाम के लिए, अब नाको के पास पुनर्गठित लक्षित हस्तक्षेप (टी.आई.) है और वर्चुअल स्पेस में मौजूद रहने वाले लोगों तक पहुंचने के अलावा पहुंच को अत्यधिक बढ़ाने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की परिधि को भी पुन: परिभाषित किया गया है। जांच के लिए, सीबीएस का कार्य की गति पकड़ रहा है और गर्भवती महिलाओं के लिए ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस स्थलों सहित सभी स्थानों पर जांच किट की आपूर्ति की गहरी निगरानी की जा रही है। पिछले वर्ष 2.3 करोड़ गर्भवती महिलाओं तक पहुंचने का कीर्तिमान बनाया गया था, लेकिन हमें इस वर्ष 3 करोड़ तक निश्चित रूप से पहुंचना ही है।

जांच और उपचार के लोकार्पण के बाद उपचार के लिए, लगभग 3 लाख रोगियों को जोड़ा गया है और सेवाओं को लोगों के पास ले जाने के लिए 50 और ए.आर.टी. केन्द्र खोले जा रहे हैं, जो स्थिर रोगियों के लिए दवा विरण के द्वारा ओ.एस.टी., सी.एस.सी. और टी.आई. स्थलों से विभेदित देखभाल की व्यवस्था के अलावा है। ए.आर.टी. केन्द्र में कार्यभार को कम करने के लिए 3 महीने का बहुल माह वितरण एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यनीति है।

एच.आई.वी. और एड्स (रोथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 2017 के राज्य नियम बनाए जाने पर फोकस को भी बढ़ाया गया है और अधिकाधिक सामाजिक सुरक्षा योजनाएं शुरु की जा रही है ताकि कार्यस्थल पर और समाज में कुक्षि एवं भेदभाव को कम किया जा सके। इन नई प्रगतियों के साथ, मुझे पूरा यकीन है कि हम निर्धारित अवधि में या उससे पहले अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार प्रगति करेंगे। आइये, हम अपेक्षाकृत अधिक गति और सुदृढ़ उत्साह के साथ आगे बढ़ते हैं।

डॉ. नरेश गोयल,
महानिदेशक (आई.ई.सी. एवं एल.एस.),
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

दूसरे पूर्वोत्तर मल्टीमीडिया अभियान का ग्रैंडफिनाले आयोजित

विषय– *'एच.आई.वी./एड्स के विरुद्ध एकजुट पूर्वोत्तर'*

6 फरवरी, 2020 को मणिपुर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (एम.ए.सी.एस.) ने मणिपुर के भाग्यचंद्र ओपन एयर थिएटर, इम्फाल, मणिपुर में एच.आई.वी./एड्स के विरुद्ध एकजुट पूर्वोत्तर के तहत दूसरे पूर्वोत्तर मल्टीमीडिया अभियान के ग्रैंडफिनाले की मेज़बानी की।

मल्टी–मीडिया अभियान एक विशेष पैकेज है जो वर्ष 2009 से राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इस पैकेज के अंतर्गत, एच.आई.वी. और एड्स के बारे में जागरूकता, सहानुभूति, शिक्षा और सहायता को बढ़ावा देने के लिए सभी पूर्वोत्तर राज्यों में विशेष गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। ग्रैंडफिनाले के कन्सेप्ट के अंतर्गत, पहले प्रत्येक राज्य में राज्य के ही अंदर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं और फिर सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों से जीतने वाले म्यूज़िक बैंड एक साझा मंच पर मुकाबला करते हैं। इस वर्ष के प्रतियोगी बैंड थे:

1. बायपोलर शैडो – सिक्किम
2. धमाल – त्रिपुरा
3. इम्प्रोम्तू – असम
4. ईनोसेंट आईज़ – मणिपुर
5. लार्जर देन 90 – मेघालय
6. रीलोडेड – अरुणाचल प्रदेश
7. ट्यूनअप चैनल – नागालैंड
8. बूम–ए–रैंग – मिज़ोरम

इस समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में श्री एल. जयंत कुमार सिंह, माननीय मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, मणिपुर सरकार, श्री वी. वुमलुनमांग, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव (परिवार और स्वास्थ्य कल्याण) और अध्यक्ष, मणिपुर एड्स नियंत्रण सोसायटी, मणिपुर सरकार, बिग्रेडियर आर.एस. सेठी, ग्रुप कमांडर, एन.सी.सी., इम्फाल, कर्नल रूप सिंह, कमांडेंट चौथी कार्यशाला, असम राइफल्स, डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको और सुश्री रोज़िता हाओबाम, आई.ए.एस., परियोजना निदेशक, मणिपुर एड्स नियंत्रण सोसायटी शामिल थे।

इस समारोह के दौरान कुछ विशेष प्रदर्शन भी दिखाए गए, जैसे *पुंग चोलोम* जो मणिपुर का एक अनूठा शास्त्रीयनृत्य है, गुरु रियूबेन माशांगवा और सुश्री बेदाबती द्वारा युगल लोक जुगलबंदी, पिंकी सायखोम द्वारा लोक गीत प्रदर्शन, 90 के दशक से मणिपुर के मशहूर रॉक बैंड *इम्फाल टॉकीज* द्वारा बैंड प्रदर्शन: *द विशेज़* द्वारा बैंड प्रदर्शन (कोहिमा में 2019 में आयोजित पहले पूर्वोत्तर मल्टीमीडिया अभियान के विजेता)। अन्य दिलचस्प प्रदर्शनों में जी.एम.पी. द *बैंड एंड वरगो डायमंड और सौम्या रुमथाओ एंड द बैंड के प्रदर्शन शामिल थे।*

पूर्वोत्तर मल्टी–मीडिया अभियान के महासमारोह के विजेता थे: प्रथम – मणिपुर से 'ईनोसेंट आईज़', द्वितीय मेघालय से 'लार्जर देन 90' और तृतीय नागालैंड से 'ट्यूनअप चैनल'। इन विजेताओं को क्रमश: ₹ 1,00,000, ₹ 70,000 और ₹ 50,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। भाग लेने वाली अन्य सभी टीमों को भी ₹ 30,000 प्रत्येक के सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

यह समारोह अत्यधिक सफल रहा क्योंकि इसमें तीन हजार से अधिक दर्शक उपस्थित थे। समारोह में एक स्वैच्छिक एच.आई.वी. परामर्श एवं जांच सुविधा के साथ विभिन्न एड्स नियंत्रण सोसायटियों द्वारा आई.ई.सी. सामग्री के साथ अनेक सूचना प्रदस्टॉल भी लगाए गए थे। समारोह स्थल के प्रवेश द्वार पर एक विश ट्री भी लगाया गया था, जहाँ आगंतुकों ने एच.आई.वी. और एड्स से पीड़ित लोगों के लिए समान अधिकारों के बारे में अपने मार्मिक संदेश लिखे।

मणिपुर से 'इनोसेंट आईज़', दूसरे पूर्वोत्तर मल्टी–मीडिया अभियान के विजेता

मेघालय से 'लार्जर देन 90' दूसरे पूर्वोत्तर मल्टीमीडिया अभियान के प्रथम उपविजेता

नागलैंड से 'ट्यूनअप चैनल' दूसरे पूर्वोत्तर मल्टीमीडिया अभियान के द्वितीय उपविजेता

एच.आई.वी. के साथ रहने वाले लोगों के लिए समर्थन दर्शाने के लिए समारोह स्थल पर एक इच्छा वृक्ष लगाया गया था।

एच.आई.वी. के साथ रहने वाले लोगों हेतु समर्थन दर्शाने के लिए समारोह स्थल पर आगंतुकों द्वारा इच्छा वृक्ष पर लिखे गए संदेश

श्री एल. जयंतकुमार सिंह, माननीय मंत्री, परिवार और स्वास्थ्य कल्याण, मणिपुर सरकार, इच्छा वृक्ष पर हस्तलिखित संदेश चिपकाते हुए

डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको विश ट्री पर अपना संदेश चिपकाते हुए

श्री वी. वुमलुनमांग, आई.ए.एस., प्रमुख सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण) और अध्यक्ष, मणिपुर एड्स नियंत्रण सोसायटी पूर्वोत्तर मल्टीमीडिया अभियान में उपस्थित युवाओं के साथ अपने विचार साझा करते हुए

डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको ने बहु–क्षेत्रक सहभागिताओं की शक्ति पर बल दिया और बताया कि इसमें युवाओं को शामिल करने के साथ प्रभाव को कैसे गुणात्मक रूप से बढ़ाया जा सकता है।

मणिपुर एड्स नियंत्रण सोसायटी की परियोजना निदेशक सुश्री रोजिता हाओबम, आई.ए.एस. ने सभी से एच.आई.वी. जांच करवाने और एच.आई.वी. के संभावित खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने का आग्रह किया।

गुरु रियूबेन माशंगवा और सुश्री वेदवती द्वारा युगल लोक जुगलबंदी

पुंग चोलोम, मणिपुर का एक अद्वितीय शास्त्रीय नृत्य जिसका दूसरे पूर्वोत्तर मल्टीमीडिया अभियान के ग्रैंडफिनाले में प्रदर्शन किया गया था

एक युवा प्रतिभागी एच.आई.वी. के साथ रहने वाले लोगों के लिए समर्थन दिखाने के लिए अपने विचार लिखता हुआ

मणिपुर की एक लोक कलाकार पिंकी साइखोम मणिपुरी में एक पुरानी लोक कथा सुनाती हुई

डॉ. ज्योतिका चीमा, नाको

नाको और वाणिज्य विभाग के बीच संयुक्त कार्य समूह की बैठक

26 फरवरी, 2020 को श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको की अध्यक्षता और श्री दर्पण जैन, संयुक्त सचिव (समन्वय), वाणिज्य विभाग की सह–अध्यक्षता के अंतर्गत वाणिज्य विभाग के साथ संयुक्त कार्य समूह की पहली बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में वाणिज्य विभाग, सम्बद्ध कार्यालयों से मुख्य अधिकारियों और नाको के अधिकारियों ने भाग लिया। सहभागियों को नाको द्वारा एच.आई.वी. और एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण के संबंध में संपन्न की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में सूचित किया गया। वाणिज्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों द्वारा एच.आई.वी. और एड्स जागरुकता के संबंध में संपन्न की गई गतिविधियों को प्रस्तुत किया गया। बैठक के दौरान, यह सुझाव दिया गया कि वाणिज्य विभाग सभी संबंधित कार्यालयों से प्रतिनिधियों को आमंत्रित करेगा और नाको गतिविधियों को प्रारंभ करने के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार करेगा।

उत्पल दास, नाको

एच.आई.वी. वर्चुअल हस्तक्षेप और आगे का मार्ग पर राष्ट्रीय परामर्श

कार्य नीतिपरक सूचना के हिस्से के रूप में, अध्ययनों/परियोजनाओं/पायलट/नवप्रर्वतनों के माध्यम से राष्ट्रीय परियोजना में अंतरालों की पहचान करने के साथ–साथ साक्ष्य जुटाना राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना के लिए प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्र रहे हैं। 2020 के त्वरित लक्ष्यों और 2030 तक एड्स को समाप्त करने के दीर्घकालिक विकास लक्ष्य को देखते हुए, 29 और 30 जनवरी को नई दिल्ली में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा ACCELERATE परियोजना के अंतर्गत जॉन हॉपकिन्स यूनीवर्सिटी के माध्यम से यू.एस.एड्स के सहयोग से वर्चुअल प्लेटफार्मों पर एच.आई.वी. हस्तक्षेप के संबंध में एक राष्ट्रीय परामर्श आयोजित किया गया था।

परामर्श में नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं/वैज्ञानिकों, नाको, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के परियोजना प्रबंधकों, तकनीकी सहायता यूनिटों, वरिष्ठ विशेषज्ञों, नागरिक समाज के सदस्यों, समुदाय और सहभागी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय परामर्श का उद्घाटन संयुक्त सचिव, नाको द्वारा किया गया था। परामर्श में विचार–विमर्श किया गया और 'वर्चुअल प्लेटफार्मों पर आबादियों और उच्च–जोखिम समूहों का मापचित्रण और उन तक पहुँचने', 'वर्चुअल आबादी को सेवाओं में शामिल करने की कार्यनीतियां निर्धारित करने', 'उपचार के लिए सहलग्नता' जैसे मुख्य विषयक क्षेत्रों और नैतिक/डाटा सुरक्षा दृष्टिकोणों के संबंध में आगे का मार्ग निश्चित किया गया। बैठक के दौरान राष्ट्रीय एच.आई.वी./एड्स अनुसंधान योजना से सात तकनीकी विवरणों और राष्ट्रीय आंकड़ा विश्लेषण योजना के दूसरे दौर से चार तकनीकी विवरणों को भी लांच किया गया जो परियोजना के प्रमुख निष्कर्षों को विशेष रूप से दर्शाते हैं।

विनीता वर्मा, नाको

समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ प्री एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (PrEP) पर राष्ट्रीय परामर्श

25 जनवरी, 2020 को नई दिल्ली में नाको द्वारा यू.एन.एड्स के सहयोग से राष्ट्रीय अरक्षितता–पूर्व रोगनिरोध नीति और राष्ट्रीय अरक्षितता–पूर्व रोग निरोध तकनीकी दिशानिर्देशों के प्रारूप के संबंध में सामुदायिक प्रतिनिधियों से साधन–सामग्री/विचार प्राप्त करने के लिए एक राष्ट्रीय परामर्श आयोजित किया गया। बैठक में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना के बारे में समुदाय और नागरिक समाज के फीडबैक पर भी फोकस किया गया। श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको, की अध्यक्षता में के अंतर्गत बैठक आयोजित की गई थी। परामर्श में चुनिंदा सेवा प्रदाताओं, समुदाय के प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों के साथ–साथ नाको से वरिष्ठ अधिकारियों एवं परियोजना प्रबंधकों, संयुक्त कार्यसमूह के सदस्यों और विकास सहभागियों ने भाग लिया।

नेहा कपूर, नाको

होली फ़ैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों का नाको में प्रशिक्षण दौरा

24 जनवरी, 2020 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा होली फ़ैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग, दिल्ली विश्वविद्यालय के विज्ञान स्नातक (उपाधि) परिचर्या विद्यार्थियों के प्रशिक्षण दौरे का आयोजन किया गया। यह ज्ञान भ्रमण क्षमता निर्माण एवं परस्पर शिक्षा, प्रशिक्षण और उन्मुखता दौरों का हिस्सा है जिनका आयोजन प्रशिक्षण, ज्ञान का आदान–प्रदान साध्य बनाने तथा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना, नाको और विद्यार्थियों की आवश्यकता के आधार पर इसकी गतिविधियों के प्रति उनका संवेदीकरण करने हेतु किया जाता है। इस बैठक में होली फ़ैमिली कॉलेज ऑफ नर्सिंग के प्रशिक्षु विज्ञान स्नातक (उपाधि) परिचर्या के विद्यार्थियों और नाको के विभिन्न परियोजना संभागों से नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।

विनीता वर्मा, नाको

टार्गेटेड इंटरवेंशन कम्पोनेन्ट के लिए सभी राज्यों की एड्स नियंत्रण समितियों की राष्ट्रीय समीक्षा

दिनांक 21, 22 और 24 जनवरी, 2020 को नाको द्वारा तीन बैचों में राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। समीक्षा में संबंधित राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों से लक्षित हस्तक्षेपों के नोडल अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ आयोजित की गई थी:

- टी.आई. के अंतर्गत ए.ए.पी. 2019–20 में अनुमोदित गतिविधियों की स्थिति, एल.डब्ल्यू.एस., ओ.एस.टी., ऑनबोर्ड ई.एल.एम. केन्द्र, टी.आई. और एल.डब्ल्यू.एस. का मूल्यांकन, टी.आई. पुनगर्ठित कार्यनीतियों के संबंध में प्रशिक्षण और निधि उपयोग।
- परियोजना कार्यप्रदर्शन विश्लेषण (व्याप्ति, उच्च जोखिम समूहों का नया पंजीकरण, क्लीनिक उपस्थिति, एच.आई.वी. जांच/अनुवीक्षण, ए.आर.टी. और टी.बी. सहलग्नता और कारागारों में एच.आई.वी./टी.बी. हस्तक्षेप)।
- टी.आई. पुनगर्ठित कार्यनीतियों के कार्यान्वयन, मुद्दों और चुनौतियों संबंधी नवीनतम जानकारी।

डॉ. शोभिनी राजन, सहायक महानिदेशक, नाको ने सभी तीन बैचों की अध्यक्षता की। समीक्षा में वर्ल्ड बैंक और पी.एच.एफ.आई. के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

समीक्षा से निम्नलिखित कार्रवाई बिंदु तैयार किए गए हैं जो उसके बाद कार्यान्वयन हेतु राज्यों को सूचित किए गए:

क) अनुमोदित ए.ए.पी. 2019–20 के अनुसार टी.आई. गैर–सरकारी संगठनों/समुदाय आधारित संगठनों के साथ करार करने में तेज़ी लाना।

ख) टी.आई. का पूर्ण मूल्यांकन

ग) नई शिनाख्तों में सुधार लाना

घ) क्लीनिक मुलाकातों में सुधार लाना

ङ) एच.आई.वी. जांच में सुधार लाया जाना

च) कंडोम वितरण में सुधार लाना

छ) सुनिश्चित करना कि कंडोम का स्टॉक समाप्त नहीं हो

ज) टी.बी. जांच में सुधार लाना

झ) वित्त वर्ष समाप्त होने से पहले सारे प्रशिक्षण पूरे करना

ञ) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को संबंधित टी.एस.यू. के साथ टी.आई. परियोजना की समीक्षा के लिए दोबारा बुलाया जाएगा।

विजय सिंह, नाको

निजी प्रदाताओं के साथ प्री एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस (PrEP) पर राष्ट्रीय परामर्श

विशेषज्ञ कार्य समूहों द्वारा राष्ट्रीय अरक्षितता–पूर्व रोगनिरोध नीति और राष्ट्रीय अरक्षितता–पूर्व रोगनिरोध तकनीकी दिशानिर्देशों, दोनों का पहला प्रारूप तैयार किए जाने के बाद निजी प्रदाताओं के विचार जानने के लिए 20 जनवरी, 2020 को नई दिल्ली में नाको द्वारा जॉन हॉपकिन्स यूनीवर्सिटी के सहयोग से एक राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया गया। यह बैठक श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको की अध्यक्षता में हुई। परामर्श में नाको से वरिष्ठ अधिकारियों और परियोजना प्रबंधकों, कार्य समूह के सदस्यों, विकास सहभागियों, चुनिंदा निजी प्रदाताओं तथा अन्य महत्त्वपूर्ण हितधारकों ने भाग लिया।

नेहा कपूर, नाको

सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों का नाको में प्रशिक्षण दौरा

क्षमता निर्माण एवं परस्पर शिक्षा के भाग के रूप में प्रशिक्षण, ज्ञान का आदान–प्रदान साध्य बनाने तथा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना, नाको और इसकी गतिविधियों के बारे में संवेदीकरण करने हेतु प्रशिक्षण और उन्मुखता दौरों का आयोजन किया जाता है। इस पृष्ठभूमि में, 6 – 10 जनवरी, 2020 को नाको, नई दिल्ली ने केंद्रीय स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारियों (जी.डी.एम.ओ.) के प्रशिक्षण दौरे का आयोजन किया।

इस बैठक में प्रशिक्षु जी.डी.एम.ओ., राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू.) के प्रतिनिधियों, नाको के विभिन्न परियोजना संभागों के नोडल अधिकारियों ने भाग लिया।

विनीता वर्मा, नाको

नागालैंड में एड्स प्रत्युत्तर का संवर्धन करने की दिशा में रैपिड फील्ड मूल्यांकन

द्रुत फील्डमूल्यांकन

एच.आई.वी./एड्स महामारी और संबंधित जोखिम–व्यवहारों की उच्च व्याप्ति को देखते हुए, दिनांक 10 से 15 फरवरी, 2020 के दौरान डॉ. शोभिनी राजन (सहायक महानिदेशक, कार्यनीति सूचना, नाको) के नेतृत्व में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा नागालैंड में एच.आई.वी./एड्स महामारी की स्थिति और प्रत्युत्तर का एक रैपिड फील्ड मूल्यांकन किया गया था। प्रतिनिधि मंडल में नागालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, सामुदायिक प्रतिनिधि (कृपा फाउंडेशन), सी.डी.सी.–डी.जी.एच.टी. इंडिया, एफ.एच.आई. 360, एलायंस इंडिया और एफ.एच.आई. 360 के प्रतिनिधि भी शामिल हुए थे। टीम ने दीमापुर, तुनेसांग, नोकलाक और मोकोकशुंग में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं, लक्षित हस्तक्षेपों, कारागारों और कॉलेजों का दौरा किया। प्रक्रिया के एक भाग के रूप में, टीम ने दीमापुर और तुंगसांग के उपायुक्तों से भी मुलाकात की। 15 फरवरी, 2020 को कोहिमा, नागालैंड में एक बैठक के दौरान डॉ. शोभिनी राजन ने श्री तेमजेन तॉय, आई.ए.एस. (मुख्य सचिव, नागालैंड सरकार) और अन्य हितधारकों के साथ सूचना का आदान प्रदान किया।

पृष्ठभूमि

एच.आई.वी. अनुमान 2017 के अनुसार, नागालैंड उन तीन राज्यों में से एक है जहां वयस्क एच.आई.वी. की व्याप्ति 1% से अधिक है। एच.आई.वी. प्रहरी निगरानी में, राज्य ने राष्ट्रीय औसत की तुलना में गर्भवती महिलाओं के बीच हमेशा उच्चतर व्याप्ति दर्शाई है। पी.पी.टी.सी.टी. परियोजना के अंतर्गत पुष्टिकारक एकल आई.सी.टी.सी. में जांच की जाने वाली महिलाओं के बीच, राज्य में अप्रैल–दिसबर 2019 के दौरान गर्भवती महिलाओं के बीच उच्चतम निश्चयात्मक दर थी, राज्य में एफ.एस.डब्ल्यू. और एम.एस.एम. आबादी के बीच भी राष्ट्रीय औसत की तुलना में अधिक एच.आई.वी. व्याप्ति देखी गई है।

जबकि राज्य में एफ.एस.डब्ल्यू. और एम.एस.एम. आबादी के बीच एच.आई.वी. का प्रसार राष्ट्रीय औसत से अधिक है, ये उच्च जोखिम समूह आबादी काफी हद तक डिमना ज़िले तक ही सीमित हैं। अन्य ज़िलों में भी उच्च जोखिम समूह की आबादी को कवर किया जा रहा है लेकिन संख्या अपेक्षाकृत कम है।

तालिका एक – विभिन्न आबादी समूहों (एच.एस.एस. – 2017) के बीच एच.आई.वी. की व्याप्ति

आबादी समूह	नगालैंड	भारत
ए.एन.सी.	0.82	0.28
एफ.एस.डब्ल्यू.	3.60	1.56
एम.एस.एम.	7.66	2.69
आई.डी.यू.	1.15	6.26

राज्य में राष्ट्रीय औसत की तुलना में उच्च जोखिम वाले व्यवहारों की व्याप्ति अधिक है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एन.एफ.एच.एस.) 2015–16 के अनुसार, पिछले 12 महीनों में उच्च जोखिम वाले संभोग करने वाले पुरुषों का प्रतिशत (अर्थात ऐसे साथी के साथ संभोग जो न तो जीवनसाथी था और न ही प्रत्युत्तरदाता के साथ रहता था) नागालैंड में 16.9% था, जो केवल मिज़ोरम के बाद दूसरे स्थान पर आता है और 7.1% की राष्ट्रीय औसत से बहुत अधिक है। पिछले उच्च–जोखिम संभोग के दौरान कंडोम इस्तेमाल करने की रिपोर्ट करने वाले पुरुषों का प्रतिशत 33% की राष्ट्रीय औसत तुलना में 33% था।

मुख्य प्रेक्षण

- यह देखा गया कि बृहत स्तर पर, राज्य में एड्स प्रत्युत्तर को राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना द्वारा उपलब्ध कराई गई रूपरेखा के अनुसार लागू किया जा रहा है। विनिर्दिष्ट रूप से, राज्य में सामुदायिक प्रणबद्धता मज़बूत है, जिससे सर्वाधिक स्थानीय स्तर पर समुदाय की ज़रूरतों के बारे में एस.ए.सी.एस. को महत्वपूर्ण जानकारी मिल रही है। राज्य में दुर्गम भूभाग को देखते हुए, यह एक ऐसी शक्ति है जिसका एच.आई.वी./एड्स हस्तक्षेप की रूपरेखा बनाने, बढ़ाने, कार्यान्वित करने और निगरानी करने के लिए लाभ उठाया जा सकता है।
- आगे यह उल्लेख किया गया था कि जबकि राज्य में महामारी बड़े पैमाने पर विषम लिंग कामुक मार्ग के माध्यम से प्रेरित होती है, फिर भी वहां महामारी के प्रेरकों में विविधता है। नोकलॉक में हितधारकों ने इंजेक्शन द्वारा नशीली दवाओं के उपयोग के व्यवहार के माध्यम से होने वाले बड़ी संख्या में संचारण रिपोर्ट किया था, जो दीमापुर या तुनेसांग में किए गए प्रेक्षणों के विपरीत था।
- हालांकि राज्य में उच्च जोखिम वाले यौन व्यवहार उच्च प्रतीत होते हैं, फिर भी कंडोम का उपयोग स्पष्ट रूप से कम है। इसके अलावा, सुदूर क्षेत्रों में कई गर्भवती महिलाएं एच.आई.वी. जांच सहित प्रसव पूर्व देखभाल सेवाओं का लाभ उठाने में सक्षम नहीं हैं, जो इस प्रकार मां से बच्चे को एच.आई.वी. संचारण का उन्मूलन करने के लिए चुनौती है। यह सापेक्ष रूप से उच्चतर समानुपात में परिलक्षित होता है। उन एच.आई.वी. मामलों का अंशदान जिनके बारे में राज्य में लंबवत संचारण के माध्यम से एच.आई.वी. संक्रमण प्राप्त करना रिपोर्ट किया गया है।
- आगे देखा यह गया कि राज्य में किशोर और युवा आबादी एच.आई.वी. संक्रमण के उल्लेखनीय जोखिम में हैं, जैसा कि राज्य में एच.आई.वी. संक्रमित लोगों की आयु–वितरण द्वारा संपुष्टि की गई है। राज्य में नव–ज्ञात एच.आई.वी. मामलों का लगभग पांचवां हिस्सा 15–24 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के बीच पाया गया था, जो तुनेसांग ज़िले में 30% तक उच्च था।
- परियोजना प्रबंधन स्तर पर, यह स्पष्ट था कि ज़िला एड्स रोकथाम नियंत्रण इकाइयों की भूमिका यथेष्ट से कम है और उपायुक्त के कार्यालय के साथ उनकी प्रणबद्धता सीमित है।
- इसके अलावा, खुली सीमा, सीमा की दोनों तरफ एच.आई.वी. और संबंधित जोखिम व्यवहारों की उच्च व्याप्ति के साथ–साथ म्यंमार के अनेक नागरिकों द्वारा नोकलॉक और तुनेसांग से सेवाओं का लाभ उठाए जाने को देखते हुए समुदाय ने म्यंमार सरकार के साथ सहयोग की आवश्यकता का उल्लेख किया।

आगे के कदम

नाको राज्य एड्स परिषद के राज्य पुनरुद्धार में एड्स प्रत्युत्तर का संवर्धन करने के लिए मिज़ोरम सरकार के साथ कार्य करेगा और इस सशक्त नेतृत्व समूह के गठन को एक मुख्य ढांचागत हस्तक्षेप के रूप में देखा जा रहा है। आगे सभी सरकारी विभागों की प्रणबद्धताय जागरूकता, किशोरावस्था, युवाओं और आउटरीच पर फोकस करने के साथ–साथ सभी राज्य अभियानों में एच.आई.वी./एड्स के संदेशों को मुख्य धारा में लाना राज्य के लिए संभावित उच्च प्रभाव हस्तक्षेप हैं। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पहुंच, जैसे एच.आई.वी. संक्रमित लोगों को मुफ्त परिवहन सेवाएं, राज्य में एक अन्य संभावित प्रमुख कार्रवाई बिंदु है।

सी.एच.सी. नोकलॉक में ओ.एस.टी. केंद्र का उद्घाटन

दीमापुर में नाको, राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और विकास सहभागियों के साथ परिचर्चा

प्रमुख सचिव, नागालैंड के साथ सूचना का आदान प्रदान

डॉ. प्रदीप कुमार, नाको

समारोह

चाय के बागीचों के कामगारों के बीच हस्तक्षेप–पश्चिम बंगाल एस.ए.सी.एस.

उत्तर बंगाल में पर्यटन के अलावा चाय अत्यंत सक्रिय उद्योगों में से एक है। इस क्षेत्र में लगभग 450 चाय बागान हैं जो दार्जिलिंग पहाड़ियों, तराई और दूआर्स क्षेत्र में फैले हुए हैं। यह 150–200 साल पुराना उद्योग है। इन बागानों में लगभग 3.5 लाख स्थायी कामगारों और 52% कार्यबल महिलाओं के होने के नाते, यह अनुमान है कि इस क्षेत्र में चाय उद्योग पर 25,00,000 से भी अधिक लोग निर्भर हैं।

एच.आई.वी. हस्तक्षेप के परिप्रेक्ष्य में, इन कामगारों का संवेदीकरण करने के लिए प्रयास किए गए हैं। बी.एस.डी. विभाग के समन्वय से दार्जिलिंग, कालिम्पोंग, अलीपुर द्वार और जलपाईगुड़ी ज़िलों में 70 चाय बागानों में कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

दूरदर्शन पर रेड रिबन क्लब के सदस्यों के साथ कार्यक्रम–ओडिशा एस.ए.सी.एस.

राज्य स्तर पर एच.आई.वी./एड्स से संबंधित मामलों के बारे में सही सूचना के प्रसार में सहायता करने के लिए रेड रिबन क्लबों द्वारा निभाई जाने वाली सशक्त भूमिका पर बल देने के लिए, परियोजना निदेशक, ओ.एस.ए.सी.एस., श्रीमती गुहा पूनम तपस कुमार, आई.ए.एस. ने दूरदर्शन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में अनेक रेड रिबन क्लबों के सदस्यों ने भाग लिया। परियोजना निदेशक, ओ.एस.ए.सी.एस. ने कॉलेजों में हो रही गतिविधियों पर प्रकाश डाला और प्रभाव को बढ़ाने के लिए सुधार के क्षेत्रों पर भी फोकस किया। कार्यक्रम के दौरान रेड रिबन क्लबों के सदस्यों और रेडक्रॉस परामर्शदाताओं को शामिल करते हुए एक सामूहिक चर्चा भी आयोजित की गई।

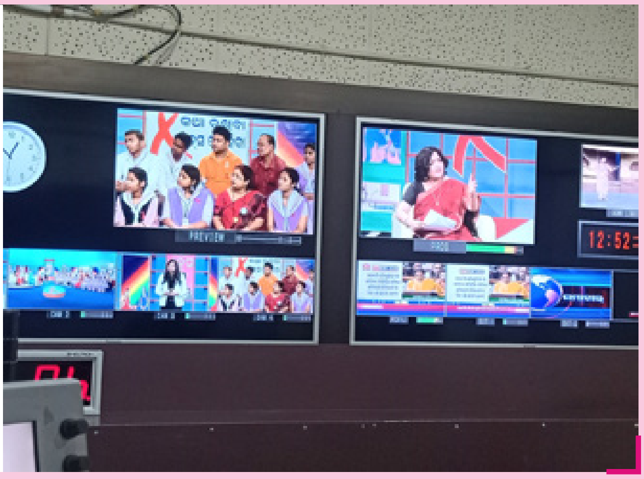

सूरजकुँड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला 2020 में आई.ई.सी. स्टॉल –हरियाणा एस.ए.सी.एस.

दिनांक 1 से 16 फरवरी, 2020 को सूरजकुंड, फरीदाबाद, हरियाणा में 34वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेले का आयोजन किया गया। मेले ने सुरक्षित व्यवहारों के बारे में सामान्य जागरुकता का प्रसार करने और प्रतिष्ठित एवं चुनिंदा क्लायंटों तक पहुंचने के लिए एक आदर्श मंच उपलब्ध कराया। मेले का आनंद लेने के लिए दस लाख से अधिक आगंतुक आए थे। इसमें हजारों विदेशी पर्यटक भी शामिल थे।

इस अवसर का लाभ उठाते करते हुए, हरियाणा एस.ए.सी.एस. ने मेला परिसर के गेट नंबर 2 के प्रवेश द्वार पर एक स्टाल लगाया। मेले के समय के दौरान लैब तकनीशियन और काउंसलरों को पूर्णकालिक रूप से तैनात किया गया था। आंगतुकों को एच.आई.वी./एड्स जागरूकता, परामर्श और जांच सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इन 16 दिनों के दौरान, 5,892 लोगों को परामर्श दिया गया और 1,591 लोग एच.आई.वी. जांच करवाने के लिए आगे आए, इनमें से एक व्यक्ति रिएक्टिव पाया गया।

अदिवासी मेला–2020 में आई.ई.सी. स्टॉल पर रिपोर्ट–ओडिशा एस.ए.सी.एस.

आदिवासी मेले में आई.ई.सी. स्टाल लगाया गया – ओडिशा एस.ए.सी.एस.

आदिवासी समुदायों के त्योहार उनके सामाजिक जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हैं और उनकी मान्यताओं के साथ मज़बूती से जुड़े हुए हैं। ऐसे मेलों और त्योहारों में उनकी परंपराओं को सबसे अच्छे से देखा जा सकता है। राज्य के आदिवासी जीवन, परंपरा और संस्कृति पर प्रकाश डालने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन किया जाता है। ओडिशा में 13 आदिम जनजाति समूहों सहित 62 जनजातियाँ हैं जो कि इसकी जनसंख्या की लगभग की लगभग एक–चौथाई आबादी है।

मेले के महत्त्व को समझाते हुए और हज़ारो लोगों तक पहुंचने के लिए, ओडिशा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (ओ.एस.ए.सी.एस.) ने भारत सरकार द्वारा भुवनेश्वर के आई.डी.सी.ओ. प्रदर्शनी मैदान में आयोजित आदिवासी मेले में एक आई.ई.सी. प्रदर्शनी स्टाल लगाया।

स्टाल का मुख्य आकर्षण ओ.एस.ए.सी.एस. द्वारा आयोजित लोक कार्यक्रम और उसके बाद प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम था जो 10 दिनों के लिए आयोजित किया गया था और इसने विभिन्न तबकों के लोगों को स्टाल पर आने के लिए आकर्षित किया। सही उत्तर देने वालों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। एच.आई.वी./एड्स जागरूकता पर श्रव्य/दृश्य सामग्री को भी प्रदर्शित किया गया।

मेले के दौरान एच.आई.वी. के लिए कुल 672 लोगों की जांच की गई। जांच करने वाले अधिकांश वॉलंटियर युवा थे।

हरियाणा में आशा अभियान – हरियाणा एस.ए.सी.एस.

हरियाणा के 10 ज़िलों: अंबाला, फरीदाबाद, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कुरुक्षेत्र, मेवात, पलवल, सोनीपत में द्वार–से–द्वार आशा अभियान (ग्रामीण और शहरी) चलाया गया। आशा कार्यकर्ताओं की मदद से द्वार–से–द्वार जागरूकता फैलाने के लिए यह अभियान काफी प्रभावी साबित हुआ। इस अभियान में 9,000 से अधिक आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया जिसमें 17 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचाने का लक्ष्य बनाया गया था। इस अभियान में एस.ए.सी.एस. द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं अर्थात आई.सी.टी.सी., सुरक्षा क्लीनिक, ओ.एस.टी. केंद्र, ए.आर.टी. केन्द्रों आदि के बारे में जागरूकता फैलाने पर फोकस किया गया था। अभियान के दौरान राष्ट्रीय टोलफ्री हेल्पलाइन 1097 को भी बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया गया। अभियान शुरू होने से पहले सभी आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया था।

राष्ट्रीय युवा दिवस उत्सव–महाराष्ट्र एस.ए.सी.एस.

युवा आबादी से संबंधित मुद्दों को उजागर करने और सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार होने के बारे में सही ज्ञान की मदद से सकारात्मक दृष्टिकोण और उनमें जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। इस उत्सव के एक भाग के रूप में, मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी ने खेल और युवा निदेशालय, मेघालय सरकार के साथ मिलकर, 14 जनवरी, 2020 को मवलाई फुटबॉल स्टेडियम, शिलौंग में *राष्ट्र निर्माण हेतु युवा शक्ति को दिशा देने* के मूल विषय के साथ राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एक दिवसीय फुटबॉल नॉक–आउट टूर्नामेंट और पेनल्टी शूट–आउट का आयोजन किया गया जिसमें 10टीमों ने ***नॉक आउट फुटबॉल*** टूर्नामेंट में भाग लिया और 8 टीमों ने ***पेनल्टी शूट आउट*** में भाग लिया। मुकाबले में फुदमावरी एफ.सी. को विजेता घोषित किया गया, जबकि मावरोह एफ.सी. दूसरे स्थान पर रहा।

सकारात्मक प्रतियोगिताओं की भावना को उत्साहित करने के अलावा, डॉ. एस. लिंगडोह, परियोजना निदेशक, मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी के नेतृत्व में एक शपथ भी ग्रहण करवाई गई जिसमें श्री डी. डैन, ज़िला खेलकूद अधिकारी, ईस्ट खासी हिल्स डिस्ट्रिक्ट, मवलाई स्पोर्ट्स क्लब के सदस्य, और टूर्नामेंट में भाग लेने वाली विभिन्न टीमें उपस्थित थीं।

राष्ट्रीय युवा दिवस उत्सव–नागालैंड एस.ए.सी.एस.

12 जनवरी, 2020 को नागालैंड राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (एन.ए.सी.एस.) ने नागालैंड राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सहयोग से राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, नेरहेमा, कोहिमा में *'राष्ट्र निर्माण हेतु युवा शक्ति को दिशा देना'* के मूल विषय के साथ राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया।

इस कार्यक्रम में 109 सहभागियों ने भाग लिया जिसमें राज्य स्काउट्स आयोजन आयुक्त, राज्य गाइड्स आयोजन आयुक्त, स्काउट्स एवं गाइड्स दोनों के राज्य प्रशिक्षण आयुक्त, ज़िला अधिकारी, नागालैंड के 7 ज़िलों का प्रतिनिधित्व करने वाले यूनिट शिक्षक, स्काउट्स और गाइड, ज्ञान स्त्रोत व्यक्ति और एन.एस.ए.सी.एस. से आई.ई.सी. टीम शामिल थे।

सुश्री विमेजहोनुओ पफिनो, राज्य आयोजन आयुक्त (गाइड्स) ने राष्ट्रीय युवा दिवस के लिए सहयोग करने और मनाने के लिए नागालैंड राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स को चुनने हेतु धन्यवाद किया जो कि विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने का एक शानदार स्रोत था और एच.आई.वी. एवं एड्स के बारे में, जो युवा के लिए एक बड़ी चुनौती है, सही और सटीक सूचना से उन्हें लैस करने का एक मंच भी था।

श्री आइनातो येथ्थो, ए.डी. (एस.पी.एम.), आई.ई.सी., एन.एस.ए.सी.एस. ने राज्य में एच.आई.वी. के परिदृश्य और कोहिमा ज़िले में एन.एस.ए.सी.एस. के तहत उपलब्ध सेवाओं के बारे में सूचित किया। उन्होंने सहभागियों को युवा आबादी के बीच एच.आई.वी. संक्रमण की बढ़ती दर के बारे में जागरूक करने के लिए प्रोत्साहित किया और सूचित किया कि देश में नागालैंड का तीसरे उच्चतम स्थान पर होना एक खतरनाक कारक है।

आर.आर.सी. स्वयंसेवियों के लिए राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता – केरल एस.ए.सी.एस.

केरल एस.ए.सी.एस. द्वारा एक राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। यह क्षेत्रीय स्तर की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से राज्य स्तर की प्रतियोगिता तक लंबी यात्रा की परिणति थी। आर.आर.सी. स्वयंसेवकों के बीच राष्ट्रीय रक्तदान दिवस गतिविधियों के तहत अक्तूबर के महीने के दौरान इस श्रृंखला के प्रारंभिक दौर आयोजित किए गए थे। फिर केरल के विभिन्न भागों से क्षेत्रीय स्तर के विजेताओं को तिरुवनंतपुरम में आयोजित फाइनल में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। विजेताओं को के.एस.ए.सी.एस. परियोजना निदेशक डॉ. रमेश आर. द्वारा ट्रॉफी और प्रमाणपत्र दिए गए। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के फाइनल्स का एशियन केबल विजन पर दो एपिसोड में प्रसारण किया जाएगा।

सत्यमेव जयते

Ministry of Health & Family Welfare
Government of India

नोवल कोरोना वायरस (COVID19)

खुद रहें सुरक्षित, दूसरों को रखें सुरक्षित

Help us to help you

क्या करें और क्या ना करें

क्या करें

- बार बार हाथ धोएं। जब आपको हाथ सपष्ट रूप से गंदे न हों, तब भी अपने हाथों को साबुन और पानी से या अलकोहल – आधारित हैंड रब से साफ करें
- छींकते और खांसते समय, अपना मुँह व नाक टीशू/रुमाल से ढकें
- प्रयोग के तुरंत बाद टीशू को किसी बंद डब्बे में फेंक दें
- अगर आपको खांसी, बुखार, या सांस लेने में कठिनाई है तो डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर से मिलने के दौरान अपने मुँह और नाक को ढकने के लिए मास्क / कपड़े का प्रयोग करें
- अगर आप में कोरोना वायरस के लक्षण हैं, तो कृपया राज्य हेल्पलाइन नंबर या स्वास्थ्य मंत्रालय की 24 X 7 हेल्पलाइन नंबर 91 – 11 – 23978046 पर कॉल करें
- भीड़ – भाड़ वाली जगहों पर जानें से बचें

क्या ना करें

- यदि आपको खांसी और बुखार का अनुभव हो रहा हो, तो किसी के साथ संपर्क में ना आयें
- अपनी आंख, नाक या मुँह को ना छुयें
- सार्वजनिक स्थानों पर ना थूकें

अधिक जानकारी के लिए:

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के 24X7 हेल्पलाइन
नं.+91-11-23978046 पर संपर्क करें
ई–मेल करें ncov 2019 @gmail-com

संरक्षकः श्री संजीव कुमार, विशेष सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं एन.टी.ई.पी.), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

संयुक्त सचिव, नाकोः श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

संपादकः डॉ. नरेश गोयल, उप–महानिदेशक, नाको

संपादकीय पैनलः डॉ. ए. के. पुरी, उप–महानिदेशक, डॉ. शोभिनी राजन, सहायक महानिदेशक, डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), नाको, डॉ. ज्योतिका चीमा (परामर्शदाता) नाको

नाको समाचार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का सूचनापत्र है।

6वां तल और 9वां तल चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली–110001। टेलीफोनः 011–43509930, फैक्सः 011–23731746, www.naco.gov.in

संपादन, डिज़ाइन एवं प्रकाशनः द विजुअल हाउस, ईमेलः tvh@thevisualhouse.in

आपके सुझाव हमारे लिए महत्वपूर्ण है, कृपया feedback4naconewsletter@gmail.com पर अपने सुझाव लिखें

http://naco.gov.in/ www.mohfw.nic.in www.pmindia.gov.in www.mygov.in @NACOINDIA

मुफ्त और गुप्त एच.आई.वी. परामर्श और जांच के लिए नज़दीकी सरकारी अस्पताल में परामर्श एवं जांच केन्द्र (आईसीटीसी) से संपर्क करें

सरकारी अस्पतालों में एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी चिकित्सा केन्द्रों में एच.आई.वी. का नि:शुल्क इलाज उपलब्ध है।